अध्याय – 11

सङ्गीत आ समाज

0680CH11

उद्देश्य: गीतक बोलमे रूढ़ि वादकेँ सुनब आ विकल्प बनेबाक प्रयास।

सङ्गीतक उपयोग सामाजिक सन्देशक लेल कयल जा सकैत अछि। स्वतन्त्रता सङ्ग्रामक अवधिमे हमर नेता लोकसभकेँ अङ्ग्रेजक विरुद्ध एकजुट करबाक लेल सङ्गीतक उपयोग कएलनि।

गतिविधि- 1: सङ्गीत जे एकता आनैत अछि !

हमर राष्ट्रगान भारतक विविधताक प्रतिबिम्ब अछि!

नोबेल पुरस्कार विजेता रवीन्द्रनाथ टैगोर पहिल भारतीय आ गैर-यूरोपीय छलाह जे रूढ़िवादकेँ तोड़ि 1913 मे साहित्यमे नोबेल पुरस्कार जीतलनि। राष्ट्रगानक रचना संस्कृत बांग्लामे कयल गेल छल। ई भारतक विशाल आ विविध भौगोलिक परिदृश्यकेँ उजागर करैत अछि।

- गीतक बोल आ अर्थकेँ बुझू आ एहि बातपर विचार करू जे ई भारतक विविधताक उत्सव कोना मनबैत अछि।
- विश्लेषण करू जे रचना कोना गीतकेँ राजसी अनुभव करबैत अछि।
- ओहि भावनाक चर्चा करू जे गीत अपन शब्द आ सङ्गीत दुनूक माध्यमसँ उत्पन्न करैत अछि।

गतिविधि- 2: हमरा सबहक जरि

आहाँ प्राचीन ग्रन्थ, वेद आ उपनिषदक विषयमे जरूर सुनने होयब। ओ सभ हमरासभकेँ दयालु, सत्यवादी आ प्रेमपूर्ण बनबाक लेल प्रेरित करैत अछि, तखनो जखन हम एक दोसरसँ भिन्न छी।

कठोपनिषदक एहि प्रेरणादायक छन्दकेँ देखू आ गयब सीखू, जे स्वामी विवेकानन्दक प्रिय छन्द सेहो छल।

© NCERT not to be republished

विस्तारित क्रियाकलाप

ई गीत कोन स्टीरियोटाइपकेँ मजगूत करैत अछि?

गुड़िया रानी, बिटिया रानी परियों के शहर सँएक दिन

राजकुंवर #नाम आबि जाएत? आ ओकरा महलमे लऽ जायत

अनुवाद: हमर राजकुमारी गुड़िया, एक दिन आहाँक राजकुमार आकर्षक आबि जायत आ ओ आहाँकेँ अपन महल लऽ जायत।

नन्दलला यशोमती मैया सँ बाजल

राधा किएक उज्जर छथि, हम कारी किएक छी?

अनुवाद: नन्दला यशोधासँ पुछलखिन, हम अन्हार किएक छी आ राधा किएक गोरी छथि?

की आहाँकेँ अपन मूल भाषाक कोनो एहन गीत याद आबि सकैत अछि जे रूढ़िवादकेँ मजगूत करैत अछि? मूल गीत लिखू आ साझा करू जे आहाँ ओकरा कोना बदलब।

जागब, जागब, जागब, जागब, बिआह करब,
निबधाता, खुरासाय धरा निशिता
दुरत्यया, दुर्गम पाठस्तत कवयो वदन्ती

सुनू आओर जवाब दिअ'

आब ई गीत सुनि लिय । ई कोन भावना उत्पन्न करैत अछि?

गतिविधि- 3: परिवर्तन बनू

ई गीत सुनू आ सीखू आ सोचू जे आहाँ कोना सुपर हीरो बनि सकैत छी आ सकारात्मक परिवर्तन आनि सकैत छी।

"उठू! जागू ! आ जाबति धरि लक्ष्य धरि नहि पहुँचि जाइ ताबत धरि नहि रुकू।

— स्वामी विवेकानन्द

गतिविधि- 4: रूढ़िवादी

सङ्गीतक उपयोग रूढ़िवादी बनयबाक लेल सेहो कयल जा सकैत अछि। रूढ़िवादी धारणा संस्कृति, जाति, रंग, लिंग अन्य कारक के आधार पर पूर्वकल्पित विचार अथवा सामान्यीकरण के संदर्भित करैत छैक । मुदा आहाँ एकरा बदलि सकैत छी!

निम्नलिखित गीत सुनू आ जँ आहाँ भाषासँ परिचित नहि छी तँ

अनुवाद पढ़ू:

बबुआ की मुरगी
की बबुआ मुर्गी नहि कहैत छथि?
बबुआ का मुर्गा कुकाडू कू बबुआ की मुरगी रूठ गई ना मानू माइ ना मानू बबुआ का मुरगा क्यू अकादे? ओकर सर पर कलगी हे
जकर माथ पर कोनो मुकुट नहि अछि ओ गरीब मुर्गी अछि
अनुवाद बबुआ के मुर्गी चुप रहैत अछि,
जखनकि बबुआक मुर्गा मुर्गा-ए-डूडल-डू जाइत अछि!
बबुआक मुर्गी परेशान अछि, कहैत अछि, "हम सहमत नहि होब!"
बबुआक मुर्गा किएक घूमैत अछि?

© NCERT not to be republished

किएकी ओ एकटा फैन्सी प्लम पहिरैत छथि, गरीब मुर्गीक विपरीत, बिना कोनो मुकुट के!

उपरोक्त गीतकेँ बदलबाक एकटा तरीका अछि:

बबुआ मुर्गी काहे खुश अछि, काहे खुश अछि? किएकि अंडा दैत अछि, इ दैत अछि!

अनुवाद: बबुआक मुर्गी किएक खुश अछि? किएकि ओ अंडा दैत अछि!

सङ्गीत लोकसभकेँ एक सङ्ग आनबामे सहायता करैत अछि मुदा ई रूढ़िवादी सेहो उत्पन्न कऽ सकैत अछि। कोनो एहन गीत ताकू जे आहाँ के उत्थान करय। अपन मित्र के सीखू आ सिखाउ। एहन गीतक सङ्ग एकटा किताब बनाबय पर विचार करू जे आहाँकेँ प्रेरित करैत हो।

© NCERT not to be republished